नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

सुप्रीम कोर्ट का मानवीय फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मध्य प्रदेश से जुड़े एक मोटर दुर्घटना दावे पर जो ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, वह न केवल विधिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज में बच्चों की गरिमा और उनके भविष्य के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को भी रेखांकित करता है .अदालत ने स्पष्ट कहा है कि दुर्घटना में यदि किसी बच्चे की मृत्यु हो जाती है या वह स्थायी रूप से दिव्यांग हो जाता है, तो क्षतिपूर्ति की गणना 'कुशल श्रमिक' के न्यूनतम वेतन के आधार पर की जाएगी.

यह निर्णय अब तक प्रचलित व्यवस्था से एक बड़ा बदलाव है. पहले बच्चों के मामलों में अदालतें 'काल्पनिक आय' यानी केवल 30 हजार रुपये वार्षिक मानकर क्षतिपूर्ति की गणना करती थीं. यह एक कठोर और वास्तविकता से कटा हुआ मानदंड था, क्योंकि यह बच्चे की संभावनाओं और उसके भविष्य की आर्थिक क्षमता की उपेक्षा करता था. सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था को पलटकर बच्चों के जीवन को 'कुशल श्रमिक' के बराबर मान्यता दी है. मध्य प्रदेश में वर्तमान न्यूनतम वेतन 14,844 रुपये प्रतिमाह है, जिसे अब बच्चे की संभावित आय मानकर क्षतिपूर्ति की गणना की जाएगी.

दरअसल, यह फैसला उस व्यापक सोच को दर्शाता है कि हर बच्चा भविष्य का एक कुशल नागरिक हो सकता है. उसकी क्षमता केवल आयु के आधार पर नहीं आंकी जा सकती. इस दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट ने न्याय को सामाजिक यथार्थ से जोड़ा है. न्यायालय का यह कहना भी उल्लेखनीय है कि यदि दावेदार न्यूनतम वेतन का दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाता तो इसकी जिम्मेदारी बीमा कंपनी की होगी. इससे पीड़ित परिवारों पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ेगा और कंपनियां भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं पाएंगी.

इंदौर निवासी आठ वर्षीय हितेश पटेल के मामले से जुड़े इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने क्षतिपूर्ति की राशि को बढ़ाकर 35 लाख 90 हजार रुपये कर दिया. यह केवल एक परिवार की जीत नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जो दुर्घटना में अपने बच्चों को खोने या उनकी दिव्यांगता से जूझने की पीड़ा झेल रहे हैं. यह निर्णय उस न्याय की भावना को पुष्ट करता है, जिसकी नींव संविधान ने रखी है - कमजोर, वंचित और असहाय वर्ग की सुरक्षा. बच्चों को समाज का भविष्य कहा जाता है, और यदि दुर्घटनाओं में उनकी क्षति का मूल्यांकन केवल नाममात्र की आय पर किया जाता रहा, तो यह अन्याय ही था. सुप्रीम कोर्ट ने इस ऐतिहासिक हस्तक्षेप से स्पष्ट संदेश दिया है कि न्यायालय केवल कानून की किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन की वास्तविक परिस्थितियों और मानवीय संवेदनाओं को भी महत्व देता है. अब जरूरी है कि सभी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण इस फैसले का अक्षरश: पालन करें. सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश की प्रति सभी न्यायाधिकरणों को भेजने का निर्देश देकर यह सुनिश्चित किया है कि भविष्य में किसी भी परिवार को उचित क्षतिपूर्ति पाने में कठिनाई न हो.

अंततः यह फैसला भारतीय न्यायपालिका के मानवीय चेहरे की एक शानदार मिसाल है. बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके भविष्य को महत्व देने वाला यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों को भी संदेश देता है कि न्याय केवल अपराध और दंड का विषय नहीं, बल्कि संवेदना और समानता का भी पर्याय है. सुप्रीम कोर्ट की यह पहल हमारे समाज को और अधिक संवेदनशील और न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी.

संपतिया उइके का राजनीतिक सफर प्रेरणादायक

कृष्णमोहन झा

देश में जनजातीय समुदायों की बहुलता वाले राज्यों में मध्यप्रदेश का नंबर सबसे ऊपर है. मध्यप्रदेश की लगभग साढ़े सात करोड़ आबादी का पांचवां हिस्सा आदिवासियों का है और मध्यप्रदेश के जिन जिलों में आदिवासी समुदायों की बहुलता है उनमें मंडला को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है. पुण्य सलिला नर्मदा के तट पर बसे मंडला की धरती पर ऐसी अनेक विभूतियों ने जन्म लिया है जिन्होंने आदिवासी समाज के सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिए अपने सराहनीय योगदान से न केवल मंडला जिले अपितु संपूर्ण मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है.

इन यशस्वी विभूतियों में संपतिया उइके का नाम प्रमुखता से लिया जाता है जो लगभग डेढ़ वर्षों से मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय का कार्य भार दक्षता पूर्वक रही हैं. अत्यंत सहज , सरल और विनम्रता की प्रतिमूर्ति संपतिया उइके ने अपने सार्वजनिक जीवन में जो यश अर्जित किया है वह उनके चार दशकों के कठिन संघर्ष , त्याग और तपस्या का प्रतिफल है. संपतिया उइके हमेशा से ही प्रदेश में भाजपा के उन जुझारू नेताओं की अग्रिम पंक्ति में शामिल रही हैं जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कभी हार नहीं मानी. अपने लगभग चार दशक के राजनीतिक सफर में संपतिया उइके ने बड़ी से बड़ी चुनौती को भी हंसकर स्वीकार किया और उस पर जीत हासिल की. यूं तो संपतिया उइके के ऐसे विरोधियों की संख्या भी कभी कम नहीं रही जिनने इस जीवट आदिवासी महिला नेता के पथ में अवरोध खड़े करने में कोई कसर नहीं छोड़ी परंतु अंततः उनके विरोधियों को मुंह की खानी पड़ी.

मैं संपतिया उइके के राजनीतिक सफर का साक्षी रहा हूं और यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि संपतिया उइके ने अपनी अद्भुत सहन शक्ति, साहस और सूझबूझ से हमेशा अपने विरोधियों को आश्चर्यचकित किया है. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी संपतिया उइके के इन गुणों के कायल हैं और यही कारण है कि संपतिया उइके की गणना मुख्यमंत्री यादव के विश्वासपात्र निकटतम मंत्रिमंडलीय सहयोगियों में की जाती है . संपतिया उइके की सराहनीय कार्यशैली और कर्मठता ने मुख्यमंत्री के इस विश्वास को विगत डेढ़ वर्षों में निरंतर मजबूत किया है. संपतिया उइके के बारे में अक्सर यह कहा जाता है कि वे अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाती और बड़े से बड़ा प्रलोभन भी उन्हें उनके कर्तव्य पथ से विचलित नहीं कर सकता.

यूं तो संपतिया उइके ने अपने सुदीर्घ राजनीतिक जीवन में अनेकों उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं परन्तु 4 सितंबर 1967 को मंडला जिले के एक छोटे से गांव में जन्मी इस यशस्वी आदिवासी नेता का बचपन अभावों से संघर्ष करते हुए बीता. थोड़ी बड़ी हुई तो पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के लिए अनिवार्य अर्थोपार्जन हेतु उन्होंने मजदूरी करने से भी परहेज़ नहीं किया. शिक्षार्जन के पश्चात् उन्होंने शिक्षकीय व्यवसाय को अपनी आजीविका का माध्यम बनाया और अल्पकाल में ही विद्यार्थियों की चहेती शिक्षिका के रूप में उनकी ख्याति आसपास के क्षेत्रों तक फैल गई परंतु उनके भाग्य में तो विधाता ने पहले से ही समाज सेवा का क्षेत्र चुन रखा था. उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत मंडला जिले के टिकरवारा ग्राम पंचायत के सरपंच का चुनाव जीत कर की . यहां से शुरू हुए अपने राजनीतिक सफर में इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. वे तीन बार जिला पंचायत की सदस्य निर्वाचित हुईं. महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की पुनीत भावना से संपतिया उइके ने महिला स्व-सहायता समूहों के गठन की जो पहल की उसके लिए उन्हें पर्याप्त सराहना मिली.

कालांतर में मध्यप्रदेश के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद अनिल माधव दवे के आकस्मिक निधन से रिक्त हुई सीट के लिए भाजपा ने संपतिया उइके का चयन किया . 2023 में संपन्न विधानसभा चुनावों में उन्होंने जब मंडला से राज्य विधानसभा में प्रवेश किया तो मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी. तब से वे मोहन यादव सरकार की महत्वपूर्ण सदस्य बनीं हुईं. राज्य सरकार के महत्वपूर्ण फैसलों में भी उनकी राय की अपनी अहमियत होती है. संपतिया उइके का राजनीतिक सफर शून्य से शिखर की प्रेरक गाथा से कम नहीं है. उनके राजनीतिक सफर में अभी और कई महत्वपूर्ण पड़ाव आना बाकी हैं. मैं उनके जन्म दिवस के अवसर पर इस लेख के माध्यम से उन्हें हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं.

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

मालवा- निमाड़ की डायरी

परिसीमन पर नजरें, जुगाड़ में नेता

संजय व्यास

अगले वर्ष होने वाले परिसीमन में पूर्वी निमाड़ का नक्शा फिर बदलने वाला है. 2003 में यह खंडवा व बुरहानपुर में विभाजित हो चुका है. तब से खंडवा जिला ही पूर्वी निमाड़ का पर्याय है. अब फिर 2026 के परिसीमन पर राजनीतिज्ञों की नजर टिकी है. इससे खंडवा लोकसभा, विधान सभा क्षेत्रों में फेरबदल से चेहरा बदलने की हलचल है. परिसीमन की राजनीति ने दोनों राजनीतिक दलों में हलचल मचा दी है. प्रभावी और बड़े

नेता अपने एरिया को अपने हिसाब से जमाने में लग गए हैं. उनकी गोटी कहां फिट बैठेगी? इसी हिसाब से परिसीमन को गढने् की जुगत हो रही है.

परिसीमन में सत्ता में बैठे भाजपा के बड़े नेता अपने हिसाब से काम करवा सकते हैं. छुटभैय्ये नेता भी चाह रहे हैं कि वे परिसीमन को अपने हिसाब से सेट करवाकर सांसद या विधायक बन जाएं. खंडवा विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र की पुरानी सीमाओं को भी तोडने् और जोडने् की कोशिश हो रही है. खंडवा विधानसभा को दो हिस्सों में बांटकर शहरी और ग्रामीण बनाने की प्लानिंग है. इससे एक एससी और दूसरी सामान्य विधानसभा का आरक्षण मिल सके.

सामान्य वर्ग के नेता इसके लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं. इनमें कुछ तो ऐसे भी हैं जो पार्षद का चुनाव हार चुके हैं. इसी तरह लोकसभा क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने के लिए नेता खंडवा का दौरा और कार्यक्रम बना रहे हैं। वह अपने क्षेत्र से हटकर खंडवा और खरगोन तक के दौरे करके यही जता रहे हैं, कि वे ही सशक्त दावेदार हैं.

नगरीय सत्ता के लिए जमावट

परिसीमन की चर्चा के बीच खंडवा नगर निगम नेताओं ने भी सक्रियता बढ़ा दी है. हाल ही में खंडवा की ग्राम पंचायतों को नगर सीमा में शामिल करने की दिशा में नगर निगम द्वारा समितियों की बैठक आयोजित की गई. नगर निगम द्वारा ग्राम पंचायतों को नगर सीमा में शामिल करने की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत मोकलगांव एवं सुरगांव जोशी ,ग्राम पंचायत छैगांवदेवी और रोशनाई में समितियों की बैठक में संबंधित ग्रामों के सरपंच प्रतिनिधि, सचिव, ग्रामवासी तथा समिति अध्यक्ष/सदस्यों को भी एकत्रित कर लिया. ग्राम पंचायत वालों को नगर निगम में शामिल होने के फायदे गिनाए जिसमेंआवास योजना की जानकारी। नल कनेक्शन की सुविधा. शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत लाभ, पी.एम. स्वनिधि योजना के तहत अंतर्गत ऋण सुविधा, साफ-सफाई व्यवस्था हेतु शहरों की तरह घर-घर कचरा कलेक्शन वाहन की व्यवस्था बताई.

इन पंचायत में एससी वर्ग का बोलबाला है. नगरीय सीमा में भी इस वर्ग के काफी अधिक मतदाता हैं. खंडवा विधानसभा भी एससी वर्ग के लिए आरक्षित है. ऐसे में खंडवा नगर निगम में आरक्षण भी एससी वर्ग का हो सकता है. यही वजह है कि खंडवा में नगर निगम के पार्षद या महापौर बनने के लिए इस वर्ग के नेता दोनों ही दलों में सक्रिय नजर आ रहे हैं.

इधर,सामान्य और पिछड़ा वर्ग के नेता नगर निगम को परिसीमन में बांधने से पहले अपना हित देख रहे हैं. जुगाड़ भी लगा रहे हैं, ताकि उन्हें ही मौका मिल जाए.

बुरहानपुर में खंडेलवाल के प्रयास बेअसर

इधर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल संगठन में कसावट लाने के लिए निरंतर बैठकें कर रहे हैं, लेकिन बुरहानपुर इकाई पर कोई असर नहीं हो रहा. राजनेता गुटबाजी के चलते अपने- अपने समर्थकों के साथ अलग- अलग कार्यक्रम करने में व्यस्त हैं. पार्टी गाइड लाइन के कार्यक्रमों को छोड़ दें तो नेताओं का गुटबाजी शक्ति परीक्षण दिखाई देने लगा है. समन्वय और एकजुटता के अभाव में पार्टी लाइन पर चलने वाले कार्यकर्ता न केवल अलगाव महसूस कर रहे हैं, बल्कि कार्यक्रमों से दूरी बनाकर घर बैठना ज्यादा अच्छा समझ रहे हैं. वरिष्ठ नेताओं ने इसे साधने में देरी की तो चुनावों को समय है और तब अपने ही दल के प्रत्याशी को निपटाने में यह गुटबाजी साफ दिखाई देगी, जिसे रोकना मुश्किल होगा.

कृषि को बढ़ावा देने वाली नीति बनाई जाए

अब मक्खन, घी, चीज, डेयरी स्प्रेड पर जीएसटी दर 12 से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है. इस सुधार का उद्देश्य उपभोग बढ़ाना है. कंपनियों को जनता तक यह लाभ पहुंचाना होगा. सरकार को देखना होगा कि कृषि क्षेत्र को और कौन सी राहत दी जा सकती है.

जीएसटी दरों में कटौती व सरलीकरण स्वागतयोग्य है परंतु भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व देखते हुए उसमें सुधार पर ध्यान देना होगा. देश की खेती-किसानी मूल्यवर्धन से वंचित है तथा खाद्य प्रसंस्करण की प्रक्रिया संगठित नहीं हैं. कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, थ्रेशर व ड्रिप इरिगेशन (टिंबक सिंचन) पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत पर लाया गया है लेकिन फसल की मार्केटिंग, आवाजाही व संग्रहण से जुड़ी बाधाएं भी दूर करनी होंगी. मोदी सरकार ने इस तरह के सुधार लागू करने के लिए 3 कृषि कानून बनाए थे लेकिन किसान आंदोलन व राजनीतिक दबाव के बाद उन्हें वापस लेना पड़ा. गेहूं, चावल, दाल व चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के साथ स्टॉक की सीमा तय कर दी गई. वास्तव में ऐसे कदमों से किसानों को नुकसान उठाना पड़ा. पहले समान रूप से हासिल किए जाने वाले पदार्थों पर अलग-अलग शुल्क था जैसे कि दूध पाउडर पर 5 प्रतिशत टैक्स था, लेकिन मक्खन और घी पर 12 प्रतिशत टैक्स था. वेजिटेबल फैट (वनस्पति घी) पर 5 प्रतिशत टैक्स था इसलिए देसी घी में उसकी मिलावट की जाने लगी थी. अब एक समान 5 प्रतिशत जीएसटी दर किए जाने से सभी प्रक्रिया किए गए डेयरी प्रोडक्ट के लिए स्थिति आसान हो गई है. दूध पर कोई जीएसटी नहीं है. पहले चपाती, रोटी व खाखरा पर 5 प्रतिशत व पराठे पर 18 प्रतिशत जीएसटी था. अब इन सब पर जीएसटी पूरी तरह हटा दिया गया. इसमें पिज्जा ब्रेड भी शामिल है. इस तरह वर्गीकरण को लेकर कोई विवाद नहीं रह गया. अब हर कृषि उत्पाद पर या तो 5 प्रतिशत या शून्य शुल्क रह गया है. पहले आइसक्रीम, चॉकलेट, बिस्किट, केक पेस्ट्री, शुगर कन्फेक्शनरी व कॉर्नफ्लेक्स पर 18 प्रतिशत जीएसटी इस गलत सोच की वजह से लगाया गया था कि इन चीजों का उपभोग सिर्फ संपन्न लोग करते हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

ट्रंप ने भारत को कहा लान्ड्रोमेट वॉशिंगटन भी वॉशिंग मशीन

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत का उपहास करते हुए उसे रूस का लान्ड्रोमेट कह दिया. भारत को ऐसी बड़ी वॉशिंग मशीन बताया जो रूस के सारे दाग-धब्बे और गुनाहों को धो डालती है.

हमने कहा, यह सनकी ट्रंप की बौखलाहट है. अमेरिका खुद दुनिया का सबसे बड़ा धोबीघाट है. उसकी राजधानी का नाम वॉशिंगटन है, जहां वजन के हिसाब से कई टन कपड़ों की वॉशिंग या धुलाई की जाती है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, कोई भी बात प्रमाण के साथ कहनी चाहिए. आपने महाशक्ति अमेरिका की खूबसूरत राजधानी के बारे में ऐसा कैसे कह दिया? वहां व्हाइट हाउस, कैपिटल बिल्डिंग, वॉशिंगटन मेमोरियल, लिंकन मेमोरियल, जेफरसन मेमोरियल हैं. गोडार्ड नेशनल स्पेस म्यूजियम तथा कितने ही संग्रहालय व आर्ट गैलरी हैं. उसे डीसी इसलिए कहते हैं क्योंकि वह ड्रिरिक्ट ऑफ कोलम्बिया में है. वॉशिंगटन नामक एक राय भी अमेरिका में कैलिफोर्निया के उत्तर में है.

हमने कहा, क्या यह सच नहीं है कि स्वयं को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहने वाला अमेरिका अन्य देशों में सैनिक तानाशाहों को समर्थन देता रहा है? पाकिस्तान के अयूब खान, याह्या खान जैसे डिक्टेटर को अमेरिका का सपोर्ट था. व्हाइट हाउस उनकी खाकी यूनिफार्म में व्हाइटनेस या दूध की सफेदी देखता रहा. भारत आबादी के लिहाज से विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है जिसमें विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों का समावेश किसी रंगीन गुलदस्ते के समान है. अनेकता में एकता हमारी शक्ति है. संकट या चुनौती के समय सभी भारतवासी एक हो जाते हैं. ऐसे हमारे भारत महान को ट्रंप अपने टैरिफ से डरा रहे हैं. ये वही ट्रंप हैं जो माय फ्रेंड मोदी कहा करते थे और मेडिसन स्क्वेयर गार्डन में उन्होंने हाऊडी मोदी का आयोजन करवाया था. मोदी ने भी अहमदाबाद में भव्यता से नमस्ते ट्रंप आयोजित किया था. ट्रंप की चुनावी जीत के लिए भारत में यज्ञ किए गए थे. आखिर कहां गया वो याराना ? वफा जिनसे की, बेवफा हो गए, वो वादे मोहब्बत के क्या हो गए !

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, उम्मीद रखिए कि वक्त के साथ ट्रंप को अक्ल आ जाएगी.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12016

-डॉ. सागर खादीवाला

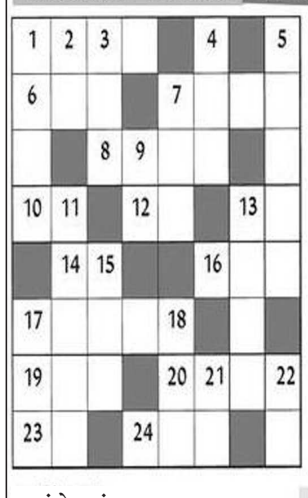

बाएं से दाएं

1. हलके पीले रंग का एक सफेद फूल जिसकी उपमा आंख से दी गई है (उर्दू) 6. उपज, खेती की पैदावार (उर्दू) 7. एक फल का नाम, जाम. 8. निर्निमेष दृष्टि, स्थिर दृष्टि. 10. अंधेरा, अंधकार, कालिमा, अज्ञान 12. बड़ी थाली 13. मौसी (उर्दू). 14. नुकसान, घाटा 16. मनुष्य, आदमी 17. जिसे छापकर प्रचलित न किया गया हो 19. झगडा 20. गणेश 23. सलाह, सन्मति 24. टकरा देना, लड़वाना

ऊपर से नीचे

1. घृणा, किसी चीज से भागना (उर्दू) 2. स्वाद, किसी पदार्थ का सार, आनंद 3. चांदी के रंग की एक घटिया धातु 4. घुड़की, दंड देने या हानि पहुंचाने आदि का भय दिखाना 5. नेवले के समान एक जंतु जो जल स्थल दोनों में रहता है 7. स्थिर, अचल, पक्का 9. धार्मिक व्याख्यान, वह जो कहा जाए 11. वह प्रलय जिसमें सृष्टि का नाश होता है 13. कुल, वंश. 15. मुसलमानी पद्धति के अनुसार होने वाला विवाह (उर्दू). 17. महंगा, मराठी भाषा में ग्यारह की संख्या 18. बलवान, खूब हृष्टपुष्ट 21. गमन करना, प्रस्थान करना 22. अभिनेता, एक जाति

Solution 12015

इ	शा	रा		सु	फ	ल	
दा	ना		का	ल		ह	वा
घा		स	ला	ह		र	न
त	क	ली			छा		री
	द	म	न		ल	ता	
जा	म		क	म		ला	भ
न		क	ल	दा	र		य
ना	दा	नी		री	त	ना	

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा में अरूचि व व्यवधान होगा, अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, मित्रों से बैचारिक मतभेद रहेगा, वर्ष के मध्य में प्रियजनों के सहयोग से कार्यो में सफलता मिलेगी, शासन सत्ता का लाभ नवीन योजनाओं में पूँजी निवेश होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यहां सहयोग मिलेगा, सिंह राशि के व्यक्तियोंको निजी क्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के आदेश का पालन करना होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को धार्मिक यात्रा होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक धन लाभ प्राप्त होने का योग है.

मेष- आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी. शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. दस्तकारी कार्यो में व्ययभार अधिक होगा.

वृषभ- पारिवारिक कार्यो मे व्यस्तता रहेगीं. आर्थिक मामलों में बुजुर्गो की सलाह उपयोगी रहेगी. संतान के कार्य में विशेष ध्यान देकर कार्य करना लाभकारी रहेगा.

मिथुन- छोटी सी बात पर उत्तेजित होकर अपना कार्य न बिगाड़ें. संबंधों में कड़वाहट आ सकती है. किसी अभिन्न मित्र से भेंटवार्ता होगी. हर्ष रहेगा.

कर्क- आय का नया मार्ग प्रशस्त होगा. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है. पारिवारिक संबंधों में मधुरता रहेगी. संदेश मिलेगा.

सिंह- परिश्रम अधिक करना पड़ेगा. साझेदारी में कोई भी कार्य न करना आपके लिये हितकर रहेगा. मान सम्मान मिलेगा. सहयोग बना रहेगा.

कन्या- कार्य की अधिकता रहेगी. शरीर में थकान महसूस होगी. संबंधों में मधुरता आयेगी. राजनैतिक सहयोग बना रहेगा. साहस बढ़ेगा.

तुला- जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. व्यर्थ की परेशानी से बचें. दूर दराज की यात्रा हो सकती है. मित्रता लाभदायक एवं सहयोगी रहेगी.

वृश्चिक- नौकरी में उत्तरदायित्व बढ़ेगे. आमदानी के जरिये एक से अधिक होंगें. कार्य की रूपरेखा पर विचार विमर्श हो सकता है. शुभ संदेश मिलेगा.

धनु- कोई ऐसी बात मालुम होगी, जिससे मानसिक प्रसन्नता रहेगी. मित्र के संबंध में प्रिय समाचार मिलेगा. मान सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

मकर- मान सम्मान बढ़ेगा. उपहार या लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा. उठाईगीरों से सावधानी रखे. परिश्रम अधिक करना पड़ सकती है.

कुम्भ- मैत्री संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, जिसकी आपको प्रतीक्षा है, उस कार्य में सफलता मिलेगी. धार्मिक यात्रा होगी. व्ययभार की अधिकता रहेगी.

मीन- व्यवसायिक समस्याओं का निदान होगा. खरीदी बिक्री के कार्यो में सावधानी बांछनीय. यश, मान-सम्मान मिलेगा. गुमी वस्तु मिलने से प्रसन्नता होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील कोमल भावुक परोपकारी तथा बुद्धिमान होगा. आकर्षक व्यक्तित्व का होगा. शिक्षा उत्तम रहेगी. अपने उद्देश्यों की पूर्ति करेगा. लगनशील और सत्यवादी होगा. यात्राप्रिय रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

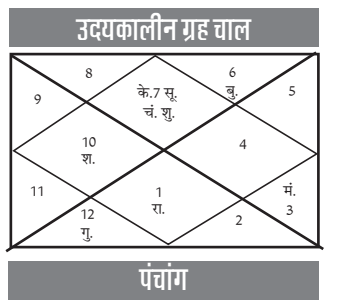

पंचांग

रा.मि. 18 संवत् 2082 आश्विन कृष्ण द्वितीया भौमवासरे रात 8/23, उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे रात 8/56, शूल योगे प्रातः 6/31 तदुपरि गण्ड योगे रात 3/49, तैतिल करणे सू.उ. 5/50 सू.अ. 6/10, चन्द्रचार मीन, पर्व- द्वितीया श्राद्ध, अशून्य शयन व्रत, शु.रा. 12,2,3,6,7,10 अ.रा. 1,4,5,8,9,11 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

आश्विन कृष्ण द्वितीया को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, सूरजमुखी, सोना, चांदी, मिर्च, कपास, के भाव में मंदी होगी. जायफल, अजवाईन, धनियां, के भाव में तेजी होगी. वायदा विचार आज 11 बजकर 53 मिनिट से 16 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक- 5634 है.

SUDOKU 7148

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7147

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9